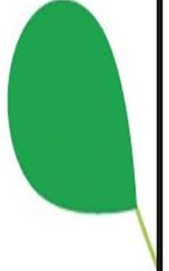
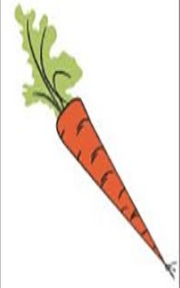


■ لَاحِظِ الصُّورَةَ ثُمَّ اُكْتُبِ الْعَدَدَ الْمُنَاسِبَ فِي كُلِّ خَانَةٍ:

			
.....			

			
.....			





0	1	4
---	---	---



2	1	4
---	---	---



3	0	5
---	---	---



2	1	0
---	---	---

